पाठ्यक्रम

इकाई - 1

हिन्दी भाषा और उसका विकास

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं- पालि, प्राकृत - शौरसेनी, अर्द्मागधी, मागधी, अपशभ्रंश और उनकी विशेषताएं, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण।

हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियां।

हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी।

हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था - खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना -उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना - लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वगाम, विशेषण और क्रिया रुप, हिन्दी - वाक्य - रचना।

हिन्दी भाषा - प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा।

संचार माध्यम और हिन्दी, कम्पूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

देवानागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

इकाई - 2

साहित्यशास्त्र

काव्य के लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन।

प्रमुख संप्रदाय और सिद्धान्त - रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य।

रस निष्पत्ति, साधारणीकरण।

शब्दशक्ति, काव्यगुण, काव्य दोष

प्लेटो के काव्य सिद्धान्त।

अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त।

वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त।

कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी।

टी.एस.इलिएट : निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा की अवधारणा।

आई.ए.रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त, संप्रेषण सिद्धान्त तथा काव्य-भाषा सिद्धान्त। रूसी रुपवाद।

नयी समीक्षा। मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक, बिम्ब।

इकाई - 3

हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन परंपरा , हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियां,हिन्दी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण, आदिकाल की विशेषताएं एवं साहित्यिक प्रवृत्तीया ,रासो-साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य

भक्तिकाल

भक्ति-आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, भक्ति-आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरुप और उसका अन्त: प्रादेशिक बैशिष्ट्य।भक्ति काव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्ंत। भक्ति काव्य के प्रमुख सम्प्रदाय औरउनका वैचारिक आधार। निर्गुण-सुगण कवि और उनका काव्य।

रीतिकाल

सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्टभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियां (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त)

रीतिकवियों का आचार्यत्व।रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य

आधुनिक काल

वैचारिक पृष्ठभूमि

भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि ,हिन्दी नवजागरण । खड़ीबोली आन्दोलन। फोर्ट विलियम कॉलेज, गांधीवादी दर्शन अम्बेडकर दर्शन,लोहिया दर्शन,मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावबाद, अस्मितामूलक विमर्श (दलित, स्त्री, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक)

भारतेन्दु और उनका युग,प्रमुख कवि, पत्रकारिता का आरम्भ और 19वीं शताब्दी की हिन्दी पत्रकारिता, आधुनिकता की अवधारणा।

द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वछन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।

छायावाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएं, छायावाद के प्रमुख कवि, प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक)

समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएं

हिन्दी उपन्यास,कहानी,नाटक एकांकी ,निबंध,आलोचना,रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज, डायरी उद्भव और विकास।

हिन्दी का प्रवासी साहित्य : अवधारणा एवं प्रमुख साहित्यकार।

इकाई - ४

हिन्दी पद्य

पृथ्वीराज रासो - रेवा तट

अमीरखुसरो - खुसरों की पहेलियाँ और मुकरियाँ

विद्यापति की पदावली (संपादक - डॉ. नरेन्द्र झा) - पद संख्या 1 - 25

कबीर - (सं.- हजारी प्रसाद द्विवेदी) - पद संख्या - 160 - 209

जायसी ग्रंथावली - (सं. राम चन्द्र शुक्ल) - नागमती वियोग खण्ड

सूरदास - भ्रमरगीत सार - (सं.- राम चन्द्र शुक्ल) - पद संख्या 21 से 70

तुलसीदास - रामचरितमानस, उत्तर काण्ड

बिहारी सतसई - (सं.- जगन्नाथ दास रत्नाकर) - दोहा संख्या 1- 50

घनानन्द कवित्त - (सं.- विश्वनाथ मिश्र) - कवित्त संख्या 1 - 30

मीरा - (सं.- विश्वनाथ त्रिपाठी) - प्रारम्भ से 20 पद

अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध - प्रियप्रवास

मैथिलीशरण गुप्त - भारत भारती, साकेत (नवम् सर्ग)

जयशंकर प्रसाद - आंसू, कामायनी (श्रद्धा, लज्जा, इड़ा)

निराला - जुही की कली, जागो फिर एक बार, सरोजस्मृति, राम की शक्तिपूजा, कुकरमुत्ता, बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु।

सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन, प्रथम रश्मि

महादेवी वर्मा - बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मै नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र

रामधारी सिंह दिनकर - उर्वशी (तृतीय अंक), रश्मिरथी

नागार्जुन - कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बंदूक, मनुष्य हूँ।

सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय - कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर, असाध्यवीणा, कितनी नावों में कितनी बार

भवानीप्रसाद मिश्र - गीत फरोश, सतपुड़ा के जगल

मुक्तिबोध - भूल गलती, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में

धूमिल - नक्सलवाड़ी, मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद

इकाई -५

हिन्दी गद्य

उपन्यास

लाला श्रीनिवास दास - परीक्षा गुरू

प्रेमचन्द - गोदान

अज्ञेय - शेखर एक जीवनी (भाग - 1)

हजारी प्रसाद द्विवेदी - बाणभट्ट की आत्मकथा

फणीश्वर नाथ रेणु - मैला आंचल

यशपाल - झूठा सच

श्रीलाल शुक्ल - राग दरबारी

मन्नू भंडारी - आपका बंटी

जगदीश चन्द्र - धरती धन न अपना

हिन्दी कहानी

राजेन्द्र बाला घोष (बंग महिला) - दुलाईवाली

माधवराव सप्रे - एक टोकरी भर मिट्टी

प्रेमचंद - दुनिया का अनमोल रतन

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था

जयशंकर प्रसाद - आकाशदीप

जैनेन्द्र - अपना-अपना भाग्य

फणीश्वरनाथ रेणु - तीसरी कसम,
अज्ञेय - गैंग्रीन
भीष्म साहनी - चीफ की दावत
कृष्णा सोबती - सिक्का बदल गया
ज्ञानरंजन - पिता
कमलेश्वर - राजा निरबंसिया
निर्मल वर्मा - परिंदे

हिन्दी नाटक

भारतेन्दु - अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा
जयशंकर प्रसाद - चन्द्रगुप्त, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
धर्मवीरभारती - अंधायुग
मोहन राकेश - आधे-अधूरे, आषाढ़ का एक दिन
सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - बकरी
शंकरशेष - एक और द्रोणाचार्य
उपेन्द्रनाथ अश्क - अंजो दीदी

हिन्दी निबंध

भारतेन्दु - दिल्ली दरबार दर्पण,
रामचन्द्र शुक्ल - कविता क्या है
हजारी प्रसाद द्विवेदी - नाखून क्यों बढ़ते हैं
विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
कुबेरनाथ राय - उत्तराफाल्गुनी के आस-पास
विवेकी राय - उठ जाग मुसाफिर
नामवर सिंह - संस्कृति और सौंदर्य

आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएं

रामवृक्ष बेनीपुरी - माटी की मूरतें
तुलसीराम - मुर्दहिया
शिवरानी देवी - प्रेमचन्द घर में
विष्णु प्रभाकर - आवारा मसीहा
हरिवंशराय बच्चन - क्या भूलूँ क्या याद करूँ
दिनकर - संस्कृति के चार अध्याय
मुक्तिबोध - एक लेखक की डायरी
अज्ञेय - अरे यायावर रहेगा याद